ज्ञान दर्शन

समाचार बुलेटिन

मई 2015 से अगस्त 2015 तक

(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय

आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)

E-mail : gyanmv@gmail.com Mob. 9219419405

website : www.gyanmahavidhyalaya.com

Gyan Vatika

1. महाविद्यालय में इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र का औपचारिक शुभारम्भ :

20 मई, 2015 को इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र, अलीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने हमारे महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द का विधिवत् शुभारम्भ किया। इस अवसर पर महविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सभी 14 गाँवों के प्रधानों को भी आमंत्रित किया गया था। उपस्थित ग्राम प्रधानों ने विशेष अध्ययन केन्द्र खुलने पर हर्ष व्यक्त किया तथा इग्नू के कार्यक्रमों को घर-घर तक पहुँचाने का आश्वासन दिया। डॉ. चतुर्वेदी ने विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक तथा संबंधित प्राध्यापकों के साथ वार्ता की और जुलाई, 2015 से प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण विन्दुओं पर चर्चा की। प्रेसवार्ता के दौरान डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि-

1. इग्नू परीक्षा के बाद 45 दिन के अन्दर परीक्षा परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर घोषित करता है।

2. इग्नू वर्ष में दो बार सत्रांत परीक्षाएँ कराता है, विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार परीक्षा देता है।

3. इग्नू दो सत्रों में जनवरी एवं जुलाई सत्र में प्रवेश देता है, जिससे वंचित छात्रों के समय का सदुपयोग होता हैं।

4. चूँकि इग्नू एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना संसद के अधिनियम द्वारा हुई है, अत: इसकी डिग्रियाँ वैश्विक स्तर पर सभी निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

5. इग्नू अपने सभी शैक्षिक कार्यक्रमों की गुणवत्ता के लिए विश्व प्रसिद्ध रहा है। जैसे- इग्नू से बी.ए. पाठयक्रम करने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान, वातावरण एवं अनुप्रयोगात्मक विषयों का भी ज्ञान दिया जाता है, वहीं इग्नू से बी.एस-सी. करने वालों को मानविकी, सामाजिकी तथा अनुप्रयोगात्मक विषयों का ज्ञान दिया जाता है।

1. महाविद्यालय में IGNOU के विशेष अध्ययन केन्द्र का औपचारिक शुभारम्भ 1
2. महाविद्यालय स्टॉफ का शैक्षिक भ्रमण
   - महाविद्यालय के प्राध्यापकों का पाँच दिवसीय ग्रीष्म कालीन भ्रमण 2
   - महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों का चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन भ्रमण 2
3. विभागीय गतिविधियाँ
   - आर्ट गैलरी का उद्घाटन एवं बी0एड0 के सत्र समापन समारोह का आयोजन 2
   - कला प्रदर्शनी का आयोजन 3
   - बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं का विदाई समारोह 3
   - एकादशी के दिन आम लोगों को शर्बत पिलाया 3
   - पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि 4
   - पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में वृक्षारोपण 4
   - गुरू पूर्णिमा पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण 4
   - इंटैक इण्डिया हैरिटेज क्विज 2015 का आयोजन 4
   - प्रतिभा परिचय कार्यक्रम का आयोजन 5
   - बी.एड. विभाग में निबंध प्रतियोगिता 5
   - ज्ञान आई.टी.आई. के प्रशिक्षणार्थियों का विदाई समारोह 5
   - विभिन्न हस्त कलाओं की प्रतियोगिताओं का आयोजन 6
4. विभिन्न दिवसों का आयोजन
   - अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन 6
   - स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन 6
5. सामाजिक सरोकार समिति एवं एन.एस.एस. से संबंधित कार्यक्रम
   - पर्यावरण चेतना रैली का आयोजन 7
   - ज्ञान गाँव की ओर 7
   - योग शिविर का आयोजन 8
6. भगोड़े हमलावर को गिरफ्तार करने वाली एस. ओ. जी. तथा सर्विलांस पुलिस टीम का सम्मान 8

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, चेयरमेन, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ गौतम गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यो का निर्वहन डॉ0 ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निदेशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्रीगणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी प्रथा है।

Scanned by CamScanner

डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि इग्नू (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे- दर्शन शास्त्र, गाँधी एण्ड पीस, एक्सटेंसन एण्ड डेवलपमेन्ट, शिक्षा, एन्थोपोलॉजी, जेंडर एण्ड डेवलपमेन्ट स्टडीज, एम.एस.डब्लू काउन्सलिंग, डिस्टेंस एजूकेशन, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिन्दी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, ग्रामीण विकास, समाजशास्त्र, टूरिज्म मेनेजमेन्ट, ट्रांसलेशन स्टडीज, तथा वाणिज्य में स्नातकोत्तर की कक्षाओं के साथ-साथ एम.सी.ए., मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इन्फॉर्मेशन साइंस, एम. एस-सी. डाइटिटिक्स एण्ड फूड सर्विसेज मेनेजमेंट, एम.एस-सी. मैथमैटिक्स विद एप्लीकेशन्स इन कम्प्यूटर साइंस में जुलाई, 2015 से शुरू होने वाले सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है

डॉ. चतुर्वेदी ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय स्नातक कार्यक्रमों जैसे- बी. एस-सी., पी.सी.एम. तथा जेड.बी.सी., बी.ए., बी.काम., बी.सी.ए., बी.एल. आई.एस., बी.एस.डब्लू. तथा बी.पी.पी. में भी प्रवेश दे रहा है।

उपस्थित ग्राम प्रधानों ने कहा कि ज्ञान महाविद्यालय में इग्नू का अध्ययन केन्द्र खुलने से क्षेत्र के शैक्षिक, सामाजिक तथा आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। इस अवसर पर सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने कहा कि इग्नू कौशल आधारित शिक्षा भी प्रदान कर रहा है। किसान जैविक खेती, दुग्ध उत्पादन तथा दलहन संबंधी रोजगारपरक कोर्स कर सकते हैं।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. खुशनूदा नीलोफर ने बताया कि इग्नू की विवरण पुस्तिका (प्रॉस्पेक्टस) ज्ञान महाविद्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। हमारे महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री रामकिशन शर्मा ने इग्नू के कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने विश्वास दिलाया कि इग्नू का यह विशेष अध्ययन केन्द्र जन-जन तक शिक्षा पहुँचाने में अपनी यथोचित भूमिका का निर्वाह करेगा।

इस अवसर पर ज्ञान आई0टी0आई0 के निदेशक डॉ0 गौतम गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव के साथ-साथ शिक्षक और शिक्षणेत्तर वर्ग के अनेक व्यक्ति एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे। मंच का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती शोभा सारस्वत एवं श्रीमती वैशाली अग्रवाल ने किया।

2. महाविद्यालय स्टॉफ का शैक्षिक भ्रमण

- महाविद्यालय के प्राध्यापकों का पाँच दिवसीय ग्रीष्म कालीन भ्रमण : प्राध्यापकों के उन्मुखीकरण एवं मनोरंजन के उद्देश्य से दिनांक 14.06.2015 से 18.06.2015 तक 17 प्राध्यापकों का एक दल भ्रमण हेतु उत्तराखण्ड के हरिद्वार श्रृषिकेश, देहरादून तथा मसूरी गया। इन विभिन्न

विभागों के 17 प्राध्यापकों में से 10 प्राध्यापक अपने परिजनों को भी अपने साथ ले गये थे।

भ्रमण पर गये उक्त सभी व्यक्तियों ने उपर्युक्त स्थानों के ऐतिहासिक, धार्मिक तथा अन्य पर्यटक स्थलों को देखा और उनके शैक्षिक महत्व पर आपस में चर्चा की। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम प्राध्यापक तथा उनके परिजनों के लिए मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

भ्रमण के दौरान परिवहन तथा रात्रि को ठहरने आदि का पूरा खर्च महाविद्यालय प्रबन्धन ने दिया। भ्रमण का संयोजन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. विकेश चन्द्र गुप्ता ने किया। सहसंयोजक डॉ. नरेन्द्र सिंह एवं जितेन्द्र कुमार ने संयोजक को पूर्ण सहयोग दिया।

- महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों का चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन भ्रमण : शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों की ज्ञानवृद्धि एवं मनोरंजन के उद्देश्य से दिनांक 26.06.2015 से 29.06.2015 तक 16 कर्मचारियों का एक दल भ्रमण हेतु हरिद्वार तथा ऋषिकेश गया। इन 16 कर्मचारियों में से 9 व्यक्ति अपने परिजनों को भी अपने साथ ले गये थे। भ्रमण पर गये सभी व्यक्तियों ने दोनों धार्मिक नगरों के धार्मिक तथा अन्य दर्शनीय स्थानों को देखा और संबंधित जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान परिवहन तथा रात्रि को ठहरने आदि का पूरा खर्च महाविद्यालय प्रबन्धन ने दिया।

इस भ्रमण का संयोजन श्री सूरज वर्मा व सहसंयोजन श्री सुमित सक्सैना ने किया।

3. विभागीय गतिविधियाँ

- आर्ट गैलरी का उद्घाटन एवं बी.एड. के सत्र समापन समारोह का आयोजन : दिनांक 04.05.2015 को रोटरी क्लब, मथुरा सैन्ट्रल के 30 सदस्यों ने ज्ञान महाविद्यालय तथा ज्ञान आई.टी.आई. आकर यहां उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया एवं शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा

Scanned by CamScanner

लगायी गई, कला प्रदर्शनी देखी। इसके बाद महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में सभी अतिथि, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों आदि ने एकत्र होकर समारोह का आनन्द लिया।

अतिथियों के स्वागत आदि की औपचारिकता के बाद प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया तथा डॉ. ललित उपाध्याय, मुख्य अनुशासन अधिकारी ने महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति द्वारा गोद लिए गए 14 गाँवों के ग्रामीणों की दी जा रही सुविधाओं के बारे में बताया। अलीगढ़ निवासी अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कत्थक डान्सर आशा शर्मा ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मनमोह लिया। बीच-बीच में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया।

अलीगढ़ के कृष्णा इन्टरनेशनल विद्यालय के निदेशक श्री मुकेश सिंघल रोटेरियन ने महाविद्यालय की समाजिक सरोकार समिति के कार्यों को प्रेरणास्पद बताया तथा "सभी के लिए शिक्षा कार्यक्रम" में सबसे सहयोग की अपील की। ज्ञान आई0टी0आई0 के दिवंगत उप प्राचार्य श्री सुरेश चन्द्रा की पत्नी को 51 हजार रूपये की बैंक की एफ0डी0 महाविद्यालय के चेयरमेन महोदय श्री दीपक गोयल ने दी। बी0एड0 के अनेक विद्यार्थियों ने महाविद्यालय संबंधी अपने-अपने प्रेरक प्रसंग सुनाये। हाथरस रोटरी क्लब के श्री अरूण जैन ने रोटरी क्लब की स्थापना से अब तक की प्रगति के बारे में बताते हुए कहा कि रोटरी क्लब दुनिया की सबसे बड़ी एन0जी0ओ0 है। महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल ने बी0एड0 के विद्यार्थियों को उनके शैक्षिक सत्र के समापन पर उन्हें बधाई दी।

रोटरी क्लब मथुरा के अध्यक्ष श्री बी0बी0 कालरा ने कहा कि सेवा कार्य करने से दिली शांति मिलती है। बी0एड0 के विद्यार्थियों को विशिष्ट उपलब्धियों के प्रमाण पत्र दिए गये। महाविद्यालय प्रबन्धन की अध्यक्षा श्रीमती आशा गोयल पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रही। चेयरमेन श्री दीपक गोयल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ। मंच का संचालन उप प्राचार्या डॉ0 रेखा शर्मा तथा प्राध्यापिका श्रीमती मधु चाहर ने किया।

- कला प्रदर्शनी का आयोजन : दिनांक 04.05.2015 से महाविद्यालय के ज्ञान भवन में कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में महाविद्यालय में अध्ययनरत बी0एड0, बी0टी0सी0 तथा बी0सी0ए0 के विद्यार्थियों द्वारा प्रोट्रेट, नारीशक्ति, प्राकृतिक चित्रण, मॉडल, विभिन्न अनुपयोगी वस्तुओं से बनाये गये घरेलू साज-सज्जा के मॉडल तथा एकेलिक, वाटर कलर और आइल कलर से बनाई गयी पेन्टिंग प्रदर्शित की गयीं। प्रदर्शनी का उद्घाटन रोटरी क्लब, मथुरा सैन्ट्रल के 30 सदस्यीय दल के सदस्य श्री कृष्ण मुरारी खण्डेलवाल ने किया। श्री खण्डेलवाल ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना की तथा उन्हें अपनी शुभकामनायें दीं।

इस प्रदर्शनी में बी.एड. की विद्यार्थी मीनाक्षी दिवाकर ने प्रथम, राहुल कुमार ने द्वितीय तथा प्रियंका सत्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, श्री रूप नारायण शर्मा तथा गायत्री को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। बी.टी.सी. की छात्रा कविता वार्ष्णेय ने प्रथम, परम ज्योति सिंह ने द्वितीय तथा निशा परवीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और ऋतु सिंह को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रदर्शनी का संयोजन बी.टी.सी. के प्राध्यापक श्री कुलदीप बघेल ने किया।

अलीगढ़ के रघुवीर सहाय इण्टर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, धर्म समाज इण्टर कॉलेज तथा बाबूलाल जैन इण्टर कॉलेज के विद्यार्थियों ने क्रमशः 15,16,18 तथा 19 मई, 2015 को हमारे महाविद्यालय का भ्रमण कर कला प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उक्त भ्रमण कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रेखा शर्मा ने किया।

- बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं का विदाई समारोह : 20 मई, 2015 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में बी.टी.सी. बैच 2012 के प्रशिक्षुओं के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़ के निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने मुख्य अतिथि तथा सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह एवं डॉ. खुशनुदा नीलोफर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया । महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों के आमंत्रित प्रधानों में से अनेक ग्राम प्रधान भी समारोह में उपस्थित थे।

बी.टी.सी. के विभागाध्यक्ष श्री रामकिशन शर्मा ने बताया कि बैच-2012 का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा तथा सभी परिषदीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक नियुक्त हो गये। बी.टी.सी. के वर्तमान तथा बैच-2012 के विद्यार्थियों ने अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। परीक्षा पास करने वाले सभी प्रशिक्षुओं को मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों के द्वारा उपहार दिलवाये गये। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता ने अपने-अपने उद्बोधनों में विदा होने वाले बी.टी.सी. के विद्यार्थियों को शुभकामनायें दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि वे ज्ञान महाविद्यालय में सीखी गयी बातों को अपने जीवन का अंग बनायें तथा अपने विद्यार्थियों को भी पढ़ाई के साथ-साथ अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा दें। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने प्राथमिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की भूमिका शिक्षा के क्षेत्र में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

- एकादशी के दिन आम लोगों को शर्बत पिलाया : दिनांक 29 मई, 2015 को बी0टी0सी0 विभाग के प्राध्यापक एवं प्रशिक्षुओं ने गांधी पार्क

Scanned by CamScanner

(अलीगढ़) स्थित रोडवेज बस स्टैण्ड के पास शामियाना लगाकर पूरे दिन आम लोगों को शर्बत पिलाया। इस कार्य में महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति से जुड़े प्राध्यापकों ने भी आशातीत सहयोग किया। इस कार्य से बी0टी0सी0 के प्रशिक्षुओं में समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व का बोध बढ़ा। शर्बत आदि का पूरा खर्च महाविद्यालय प्रबंधन ने दिया। इस कार्यक्रम का संयोजन बी0टी0सी0 विभाग के अध्यक्ष श्री रामकिशन शर्मा ने किया।

- पूर्व राष्ट्रपति डॉ0ए0पी0जे0अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि : 28 जुलाई, 2015 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ0ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन प्राचार्य डॉ0वाईके0गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। इस शोक सभा में महाविद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। सभागार में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने डॉ0 कलाम को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

शोक संवेदना व्यक्त करते समय अनेक शिक्षक तथा विद्यार्थियों ने डॉ0 कलाम के निधन को देश की अपूरणीय क्षति बताते हुए उनकी सादगी, वैज्ञानिक सोच तथा विद्यार्थियों के प्रति उनके लगाव की सराहना की और कहा कि वे जीवन पर्यन्त वैज्ञानिक अनुसंधानों में लगे रहे एवं उनका राष्ट्रपति का कार्यकाल निर्विवाद रहा। शोक सभा का संयोजन बी0एड0विभाग की प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत ने किया।

- पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में वृक्षारोपण : 29 जुलाई, 2015 को महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के स्वेच्छासेवियों ने पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल-मेन डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.वाई.के.गुप्ता ने डॉ. कलाम के पर्यावरण प्रेम से संबंधित संस्मरण सुनाकर

स्वेच्छासेवियों को प्रेरित किया। उप प्राचार्य डॉ.एस.एस.यादव ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी, एन.एस.एस. डॉ. ललित उपाध्याय ने स्वेच्छासेवियों से अपील की कि वे आज लगाये गये पौधों, की समुचित देखभाल करें ताकि ये पोधे बड़े होकर फल-फूल आदि दे सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के अनेक व्यक्ति उपस्थित थे।

- शुरू पूर्णिमा पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण : 31 जुलाई, 2015 को महाविद्यालय परिसर में महाविद्यालय के प्राध्यापक, बी.एड., बी.टी. सी., बी.बी.ए. तथा बी.सी.ए. के विद्यार्थी एवं एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यावरणविद् श्री सुबोध चन्दन शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी. आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने विद्यार्थियों के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण के

प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया।

वृक्षारोपण के बाद महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में आयोजित गोष्ठी में बोलते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि वृक्षों से ही पर्यावरण संतुलित रहता है, इससे जन-जीवन स्वस्थ रहता है। संयोजिका डॉ. रेखा शर्मा ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी गुरू दक्षिणा के रूप में अपने घर या निकटवर्ती स्थान पर वृक्षारोपण करके लोगों को वृक्षारोपण हेतु प्रेरित करें, इसी प्रकार आगे आने वाली पीढ़ी को प्रदूषण से बचाया जा सकता है। अन्त में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. एस.एस.यादव ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया।

- इंटैक इंडिया हैरिटेज क्विज 2015 का आयोजन : 08 अगस्त, 2015 को महाविद्यालय में इंटैक (इंटरनेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हैरीटेज) नई दिल्ली द्वारा ''इंडिया हैरिटेज क्विज 2015'' का आयोजन किया गया। इस आयोजन का प्रवर्तन एक्सप्रैस माइन्डस, नई दिल्ली ने किया एवं शैक्षिक सहभाग कालिन्स ने किया।

उक्त कार्यक्रम में अलीगढ़ जिले के 14 माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों (डी0पी0एस0, सिविल लाइन्स, सरस्वती विद्या मंदिर, ए0एम0यू0 सिटी गर्ल्स हाईस्कूल, विजडम पब्लिक स्कूल, रघुवीर बाल मंदिर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, रघुवीर सहाय इण्टर कालेज, महर्षि विद्या मंदिर, ब्रिलियेन्ट

पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, डी0पी0एस0 आगरा रोड, अलीगढ़, ए0एम0यू0सिटी स्कूल, कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल, जी0डी0पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, एस0टी0एस0 हाईस्कूल ए0एम0यू0 तथा सी0बी0 गुप्ता सरस्वती विद्यापीठ) के कुल 98 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन विद्यार्थियों की

Scanned by CamScanner

50 टीमें बनाई गयी। प्रतियोगिता के बाद सभी स्वराज्य सभागार में एकत्र हुए। इस प्रतियोगिता में ''एस0टी0एस0 हाईस्कूल ए0एम0यू0, की टीम (शादाब अहमद एवं मोहम्मद काशिफ रब्बानी)'' को विजेता घोषित किया गया। सभी प्रतियोगियों को प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र दिये गये। विजयी टीम के दोनों सदस्यों को जोनल राउण्ड के लिये दिल्ली ले जाया जायेगा। कार्यक्रम में एक्सप्रैस माइंड के अनुरूधिति व आशुतोष मिलमाना ने प्रतिभाग किया।

इंटैक बजूभमि रीजनल चैप्टर के सह संयोजक डॉ0 गौतम गोयल ने इंटैक का परिचय देते हुए विजयी तथा प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी। उप प्राचार्य डॉ0एम0एस0 यादव ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया।

मंच का संचालन महाविद्यालय की प्राध्यापिका कु0 ऋत्विजा मिलल तथा डॉ0 कुँवर पाल सिंह ने किया और कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 ललित उपाध्याय ने किया। अंत में प्राचार्य डॉ0वाई0के0 गुप्ता ने प्रतिभागी विद्यालयों के प्रबन्धन का आभार व्यक्त किया तथा सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

- **प्रतिभा परिचय कार्यक्रम का आयोजन** : 10 अगस्त, 2015 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में बी.एड. सत्र 2015-17 के विद्यार्थियों के लिये प्रतिभा परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत गैस के वरिष्ठ प्रबन्धक श्री दीपांकर साहब ने मुख्य अतिथि तथा माधव गैस के सर्व श्री उदयवीर सिंह एवं दिनेश सिंह जी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग

लिया। अतिथियों के स्वागत की औपचारिकता के बाद बी.एड. में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना-अपना परिचय दिया। इस कार्यक्रम में सबने मुख्य रूप से अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि तथा रूचियों के बारे में बताया। बीच-बीच में विद्यार्थियों ने अनेक प्रकार के शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में एल.पी.जी. (कुकिंग गैस) संबंधी सुरक्षात्मक उपायों के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्य डॉ.वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की शुरू से अब तक की प्रगति बताने के साथ-साथ महाविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक तथा आर्थिक योजनाओं के बारे में बताया और यह भी बताया कि हमारे महाविद्यालय का शिक्षक शिक्षा विभाग ''यू.जी.सी. की राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद से ''ए'' ग्रेड'' प्राप्त कर चुका है।

महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि विभिन्न संस्कृतियों से आये सभी बी.एड. के विद्यार्थी अब ज्ञान परिवार के सदस्य हैं। बी.एड. के विद्यार्थी भावी शिक्षक हैं तथा शिक्षक भावी पीढ़ी का निर्माता होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रूचियों को परिष्कृत करने के लिये महाविद्यालय में उचित वातावरण है। यहां विद्यार्थी अपनी सभी समस्याओं का समाधान अपने MENTOR से चर्चा करके कर सकते हैं। चेयरमेन महोदय ने महाविद्यालय स्थित इनके विशेष अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रमों के बारे में भी बताया तथा कहा कि सभी विद्यार्थी कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहें और अपना सोच हमेशा सकारात्मक रखें। उन्होंने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस कार्यक्रम का संयोजन प्राध्यापिका श्रीमती मधु चाहर ने किया तथा मंच का संचालन बी0एड0 की छात्रा कु0वसुन्धरा चौधरी एवं कु0पूनम ने किया।

- **बी0एड0 विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन** : 14 अगस्त, 2015 को महाविद्यालय की साहित्यिक समिति ने ''दी रोल ऑफ टीचर इन डेमोक्रेटिक एजूकेशन सिस्टम'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय में अध्ययनरत बी0एड0 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का संयोजन साहित्यिक समिति की प्रभारी तथा बी0एड0 विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी ने किया।

- **ज्ञान आई0टी0आई0 के प्रशिक्षणार्थियों का विदाई समारोह** : 15 अगस्त, 2015 को ज्ञान महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में ज्ञान आई0टी0आई0 के बैच 2013-2015 के प्रशिक्षार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में ज्ञान आई0टी0आई0 के निदेशक डॉ0 गौतम गोयल, महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल तथा प्रबन्धक श्री मनोज यादव के साथ ज्ञान आई0टी0आई0 के प्रधानाचार्य, अनुदेशक तथा प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रशिक्षणार्थियों से उनकी रोजगार संबंधी रूचि जानने हेतु फार्म भरवाये गये, जैसे- उनको किस प्रकार की नौकरी कहाँ चाहिए तथा न्यूनतम स्वीकार्य वेतन आदि के संबंध में भी जानकारी ली गयी। ज्ञान आई0टी0आई0 अपने प्रशिणार्थियों का प्लेसमेंट भी कराता है।

गत वर्ष 2012-2014 बैच के प्रशिक्षणार्थियों का प्लेसमेंट हौंडा, टैटीवाल वायर प्रोडक्ट्स, क्वालिटी ऑस्ट्रिया एशिया लिमिटेड आदि कम्पनियों में अच्छे मासिक वेतन पर करवाया गया है।

ज्ञान आई0टी0आई0 के प्रधानाचार्य डॉ0 एस0मुनव्वर हुसैन ने बताया कि फिटर ट्रेड में कुछ सीटें रिक्त हैं, प्रवेश के इच्छुक व्यक्ति शीघ्र प्रवेश लेलें। प्रशिक्षणार्थियों ने अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

डॉ. गौतम गोयल ने विदा होने वाले प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी प्रशिक्षणार्थी अपने कर्म कौशल

Scanned by CamScanner

से ज्ञान आई.टी.आई. का नाम रौशन करेंगे।

– विभिन्न हस्त कलाओं की प्रतियोगिताओं का आयोजन : 27 अगस्त, 2015 को ज्ञान महाविद्यालय में थाल सज्जा, राखी बनाना, मेंहदी व फाइल सज्जा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में बी.टी.सी. बैच 2013 के सभी प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षुओं ने विभिन्न प्रकार की राखियाँ बनाई, अपने अपने हाथों पर विभिन्न डिजाइनों में मेंहदी रचाई एवं फाइल कवर तैयार किये। थाल सज्जा प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन ज्ञान महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य डॉ.वाई. के. गुप्ता, उप प्राचार्य डॉ.एस.एस. यादव व बी.टी.सी. विभाग के विभागाध्यक्ष श्री आर.के. शर्मा किया।

राखी प्रतियोगिता में परम ज्योति सिंह व प्रीति सिंह ने प्रथम, श्री सुनील कुमार ने द्वितीय तथा निशा परवीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेंहदी प्रतियोगिता में कविता वार्ष्णेय व प्रियंका शाक्य ने प्रथम, निशा परवीन ने द्वितीय तथा मंजु रानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

फाइल कवर बनाने में नीरज कुमार ने प्रथम, परम ज्योति सिंह ने द्वितीय तथा सुनील कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। थाल सज्जा में अर्चना व वंदना ने प्रथम, प्रियंका शाक्य व प्रीति सिंह ने द्वितीय तथा निशा परवीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मूल्यांकन दल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। कार्यक्रम का संयोजन बी0टी0सी0 की प्राध्यापिका श्रीमती शोभा सारस्वत ने किया।

4. विभिन्न दिवसों का आयोजन

– अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन : दिनांक 22.05.2015 को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य

डॉ0वाई0के0गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया।संगोष्ठी के संयोजक डॉ0एस0एस0यादव, उप प्राचार्य ने कहा कि जैव विविधता का अर्थ विभिन्न प्रकार के जीवित जीव-जन्तु व पेड़-पौधों से है। इसमें वर्तमान में बड़े रूप में नकारात्मक परिवर्तन हो रहा है- जैसे वृक्षों की अनियमित कटाई, ताल-तलैयों पर अवैध कब्जे कर उस स्थान पर भवनों का निर्माण, भूमिगत जल का गलत तरीके से अत्यधिक दोहन, उपजाऊ भूमि का गैरकृषि कार्यों में उपयोग तथा प्रदूषण बढ़ने जैसे कार्यों से पृथ्वी पर असन्तुलन पैदा हो गया है, इसलिए भूकम्प आ रहे हैं, तापमान बढ़ रहा है, अनेक जीव-जन्तुओं की प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं और मौसमों में अप्राकृतिक परिवर्तन आ रहा है। यदि प्रकृति में इसी प्रकार असंतुलन रहा तो हमें इसके घातक परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

प्राचार्य डॉ0वाई0के0गुप्ता ने कहा कि सभी जीव-जन्तु तथा वनस्पतियों की सुरक्षा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। डॉ0 ललित उपाध्याय ने कहा कि जैव विविधता संबंधी समुचित जानकारी सुदूर ग्रामीण क्षेत्र तथा मलिन बस्तियों में रहने वाले अधिकांश लोगों को नहीं है, इसलिए इन लोगों को पर्यावरण के संबंध में जागरूक करना आवश्यक है।

इस कार्यक्रम में प्रबंधक श्री मनोज यादव भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकों ने भी जैव विविधता के संबंध में अपने-अपने विचार प्रकट किये।

– स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन : 15 अगस्त, 2015 को ज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्वतन्त्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबन्धक, प्राचार्य, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति एवं विद्यार्थियों के साथ-साथ सहयोगी संस्थान ज्ञान आई0टी0आई0 के निदेशक डॉ0 गौतम गोयल, ज्ञान आई0टी0आई0 के प्रधानाचार्य, शिक्षक और शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति तथा विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बी0एड0 के विद्यार्थी कविता, डौली, प्रतिज्ञा वसुन्धरा, सर्वेश, खगेन्द्र, पूर्णिमा, रेणु गौतम तथा हेमन्त कुमार ए बी0टी0सी0 के विद्यार्थी प्रियंका, नीतू, प्रीति, लवी तथा परम ज्योति ने अने प्रकार के देशभक्ति पूर्ण प्रेरक गीत और व्याख्यान प्रस्तुत कर स्वतन्त्रता संग्रा के शहीद एवं सेनानियों का स्मरण किया। प्राध्यापकों में से श्री रामकिशन शर्म डॉ0 रेखा शर्मा, श्रीमती मधु चाहर, डॉ0 विवेक मिश्रा, डॉ0 राजेश कुमा कुशवाहा, डॉ0 ललित उपाध्याय, श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी, डॉ0 नरेन्द्र सि श्रीमती सरिता याजनिक, श्री गिर्राज किशोर एवं श्री अखिलेश कुमार स्वतन्त्रता दिवस के संबंध में अपने-अपने विचार, गीत एवं वक्तव्य के रूप

Scanned by CamScanner

पेश किये। डॉ0 गौतम गोयल ने कहा कि वर्तमान में हमारी सरकार शिक्षा पर अधिक जोर दे रही है। प्राथमिक शिक्षा हेतु नामांकित विद्यार्थियों में से केवल 19% विद्यार्थी ही उच्च शिक्षा में नामांकित हो पाते हैं, जब कि उच्च शिक्षा में नामांकित होने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत कम से कम 30 होना चाहिए, तभी हम शिक्षा के क्षेत्र में विकसित देशों के समकक्ष हो पायेंगे। उन्होंने सभागार में उपस्थित व्यक्तियों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाये। उप प्राचार्य डॉ0 एस0एस0यादव ने कहा कि आजादी के 68 साल बाद भी देश के अनेक बड़े सरकारी प्रतिष्ठानों के नाम अंग्रेजों के नाम पर हैं, जब कि अब उन प्रतिष्ठानों के नाम स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों के नाम होने चाहिए।

प्राचार्य डॉ0 वाई0के0गुप्ता ने स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों को नमन करने के बाद कहा कि हमारे देश की जनता को विदेशी उत्पादों का उपभोग नहीं करना चाहिए।

देश में विदेशी उत्पादों के उपभोग के कारण हमारी अर्थव्यवस्था पर विदेशी कम्पनियाँ हावी होती जा रही है तथा हमारे लघु एवं कुटीर उद्योग समाप्त हो रहे हैं, इससे बेरोजगारी बढ़ रही है, तथा अनेक प्रकार की विसंगतियाँ पैदा हो रही हैं। मंच का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती मधु चाहर ने किया। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित सभी व्यक्तियों को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

5. सामाजिक सरोकार समिति एवं एन.एस एस. से संबंधित कार्यक्रम

- पर्यावरण चेतना रैली का आयोजन : दिनांक 5 जून, 2015 को महाविद्यालय के बी0टी0सी0 विभाग के प्राध्यापकगण एवं प्रशिक्षुओं ने महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए चौदह गाँवों में से एक गाँव- मुकुन्दपुर में पर्यावरण चेतना रैली का आयोजन किया। इस रैली के आयोजन में मुकुन्दपुर के ग्राम प्रधान श्री रूप किशोर तथा अन्य ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। रैली के लोगों ने गाँव की गलियों में घूम-घूम कर पर्यावरण संबंधी नारे लगाये तथा

ग्रामीणों के साथ पर्यावरण के संबंध में चर्चा कर उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

महाविद्यालय की N.S.S. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 ललित उपाध्याय ने भी रैली में भाग लेकर ग्रामीणों को उत्साहित किया। इस रैली का संयोजन बी0टी0सी0 विभाग के अध्यक्ष श्री रामकिशन शर्मा ने किया।

- ज्ञान गाँव की ओर : ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के अन्तर्गत 03.08.2015 से 27.08.2015 तक ''ज्ञान गाँव की ओर'' कार्यक्रम के तहत ग्राम - बढ़ौली फतेह खाँ सहित चौदह ग्रामों में बैठकों का आयोजन किया गया।

गाँव बढ़ौली फतेह खाँ में आयोजित गोष्ठी में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल एवं प्राचार्य डॉ0वाई0के0 गुप्ता भी उपस्थित रहे। ज्ञान सामाजिक सरोकार का नारा ''बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ'' रखा गया। सभी गाँव के निवासियों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने का महत्व बताया गया, लड़की नहीं होगी तो वंश कैसे चलेगा बेटियों को शिक्षित बनाएँ। आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें लड़कियों की भूमिका न हो। जल संरक्षण, बिजली बचाना, वृक्षों की महत्ता एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में चर्चा की। प्रधानमंत्री द्वारा जारी बारह रूपये की दुर्घटना बीमा योजना के बारे में भी ग्रामवासियों को बताया गया।

गाँव न्होटी में पूर्व एम0एल0सी0 श्री विवेक बंसल एवं पर्यावरणविद् श्री सुबोध नन्दन शर्मा ने भी भाग लिया। इन चौदह गाँवों में दो-दो नीम के पौधों का रोपण महाविद्यालय के स्थानीय विद्यार्थियों से कराया गया। ग्रामीणों को महाविद्यालय में चल रहे सभी पाठयक्रमों के बारे में बताया गया।

चौदह ग्रामों में से जो भी लड़की महाविद्यालय में बी0ए0 एवं बी0एस-सी0 (जेड0बी0सी0) में प्रवेश लेगी उसे शिक्षण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट छात्रवृति के रूप में दी जायेगी तथा ज्ञान आई0टी0आई में प्रवेश लेने

वाले लड़के तथा लड़की को 4000 रू0 की छूट छात्रवृति के रूप में प्रदान की जायेगी।

ज्ञान सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में ग्राम प्रधान श्रीमती मिथलेश देवी (बढ़ौली फतेह खाँ) श्री यतेन्द्र पाल सिहं (पडियावली), श्री रूप किशोर (मुकुन्दपुर), श्री सतीश कुमार (मई नाथ), श्रीमती कमलेश देवी (न्होटी) श्री रनवीर सिहं (मड़राक), श्री योगेश कुमार (सराय हरनारायण), श्री योगेश कुमार (सरायबुर्ज), श्री चन्द्रपाल सिहं (मन्दिर का नगला), श्री चन्द्रपाल सिहं (हाजीपुर चौहट्टा), श्री ओम प्रकाश) हाजीपुर फतेह खाँ, श्री धर्मवीर सिहं (चिरौलिया दाउद खाँ), श्री अलीमुद्दीन (ईसनपुर), श्री मंगल सिंह (कमालपुर)

Scanned by CamScanner

तथा प्राध्यापक डॉ0 ललित कुमार उपाध्याय, डॉ0 आर0के0कुशवाहा, श्री आर0के0 शर्मा, श्री राम बाबू, श्री जितेन्द्र सिंह, मिस दीक्षा सोनी, श्री अखलेश कौशिक, मिस मौना सिंह, अनिल सिंह एवं महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे उस ग्राम के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

उपर्युक्त पूरे कार्यक्रम का संयोजन ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी सह कला संकाय प्रभारी डॉ0 विवेक मिश्रा ने किया।

– योग शिविर का आयोजन : 21 जून, 2015 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने भाग लिया।

पतंजलि योग पीठ से प्रशिक्षित प्रशिक्षक एवं महाविद्यालय के छात्र श्री राहुल कुमार ने उपस्थित व्यक्तियों को विधिवत विभिन्न प्रकार के योगासन कराये तथा

उनका महत्व बताया। ''योग से स्वास्थ्य लाभ'' विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ0 वाई0के0गुप्ता ने योग को दैनिक जीवन का अंग बनाने पर जोर दिया। एन0एस0एस0 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 ललित उपाध्याय ने योग दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम का संयोजन किया।

6. भगोड़े हमलावर को गिरफ्तार करने वाली एस0ओ0जी0 तथा सर्विलांस पुलिस टीम का महाविद्यालय में सम्मान :

09 जून 2015 को हमारे महाविद्यालय के प्रबंधक तथा तत्कालीन कार्यालय अधीक्षक श्री मनोज यादव पर लगभग 06 वर्ष पूर्व प्राणघातक हमला करने वाले तत्कालीन प्राचार्य

डॉ0देवेन्द्र प्रताप सिंह को गिरफ्तार करने वाली एस0ओ0जी0 तथा सर्विलांस पुलिस टीम को महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में सम्मानित किया गया। भगोड़े हमलावर की गिरफ्तारी पर सरकार ने रू0 5000/- रूपये इनाम घोषित किया था।

समारोह में सर्विलांस तथा एस0ओ0जी0 टीम के सभी सदस्यों के साथ पुलिस अधीक्षक ग्रामीण क्षेत्र डॉ0 संसार सिंह भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

एस.ओ.जी. के प्रभारी श्री रवि त्यागी के साथ-साथ उनके सहयोगी सर्वश्री मोहन लाल, दुर्विजय यादव, सुखवीर सिंह, राकेश यादव, मदन सिंह तथा एम0पी0 सिंह के साथ-साथ सर्विलांस टीम के प्रभारी श्री छोटे लाल और उनके सहयोगी मोहम्मद अंजर, सुभाष चन्द्र यादव, शिपाल सिंह यादव के अतिरिक्त मडराक के थाना प्रभारी श्री नजमुल साकिब एवं एस0आई0 मडराक श्री रनवीर सिंह व अमर उजाला, दैनिक जागरण तथा न्यूज 18 चैनल के प्रतिनिधि समारोह में उपस्थित थे।

पुलिस के उपर्युक्त सभी सदस्यों को उनकी बहादुरी, कर्तव्य परायणता एवं भगोड़े हमलावर की गिरफ्तारी में सूझ-बूझ से काम लेने के उपलक्ष्य में महाविद्यालय प्रबंधन ने सम्मानित एवं पुरस्कृत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व उप प्राचार्य, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों के साथ-साथ महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, सहयोगी संस्थान ज्ञान आई0टी0आई0 के निदेशक डॉ0 गौतम गोयल एवं महाविद्यालय प्रबंधन की श्रीमती रितिका गोयल भी उपस्थित थीं। श्री मनोज यादव ने अपने ऊपर हुये जानलेवा हमले का वृत्तांत सभी को बताया। इससे सभागार का वातावरण काफी गम्भीर हो गया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) ने अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम को धन्यवाद दिया। चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी ने अभियुक्त की गिरफ्तारी में पुलिस टीम की सक्रियता की सराहना की तथा भावविभोर होकर श्री मनोज यादव पर हुये प्राणघातक हमले से संबंधित अपने संस्मरण बताकर श्री मनोज यादव के हौसले एवं उनकी महाविद्यालय के प्रति लगन एवं कर्मठता की सराहना की।

उन्होंने श्री मनोज यादव एवं इस घटना से जुड़े गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये पुलिस अधीक्षक डॉ0 संसार सिंह से अनुरोध किया एवं महाविद्यालय परिसर के नजदीक एक पुलिस चौकी स्थापित करने की भी माँग की। उन्होंने उपर्युक्त पुलिस टीम का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन डॉ0 ललित उपाध्याय ने किया।

ज्ञान परिवार ने एस.एस.पी. को सम्मानित किया

एस.एस.पी. जे. रविन्द्र गौड़ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए प्रबन्धक श्री मनोज यादव व प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता

★ ★ ★ ★ ★

Scanned by CamScanner